Shiv Mantra in Sanskrit

पंचाक्षर मंत्र

ॐ नमः शिवाय

अर्थ: यह मंत्र भगवान शिव को नमस्कार करने का प्रतीक है। पंचाक्षर मंत्र सबसे सरल और शक्तिशाली शिव मंत्रों में से एक माना जाता है। इसका नियमित जाप आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति और आत्मिक स्थिरता प्रदान करता है।

महामृत्युंजय मंत्र

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्॥

अर्थ: हम तीन नेत्रों वाले, सुगंधित और पुष्टि प्रदान करने वाले भगवान शिव का ध्यान करते हैं। हम ककड़ी के बेल की तरह बंधनों से मुक्त हों और मृत्यु से मुक्ति प्राप्त करें। यह मंत्र स्वास्थ्य, दीर्घायु और भय से मुक्ति के लिए जपा जाता है।

शिव गायत्री मंत्र

ॐ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि।
तन्नो रुद्रः प्रचोदयात्॥

अर्थ: हम तत्पुरुष स्वरूप भगवान शिव को जानते हैं और महादेव का ध्यान करते हैं। भगवान रुद्र हमें सद्बुद्धि और ज्ञान की प्रेरणा दें। यह मंत्र ज्ञान, सकारात्मकता और आनंद प्राप्ति के लिए उपयोगी है।

रुद्र मंत्र

ॐ नमो भगवते रुद्राय

अर्थ: यह मंत्र भगवान रुद्र को नमन करता है। इसका जाप नकारात्मक ऊर्जा, भय और जीवन की बाधाओं को दूर करने में सहायक माना जाता है।

शिव ध्यान स्तुति

शिवं शान्तं शाश्वतमप्रमेयम्,
निर्मलं निर्विकल्पं निराकृतिम्।
निर्गुणं निर्विकारं निराभासं,
नमामि शम्भुं निरानन्द रूपम्॥

अर्थ: मैं शांत, शाश्वत, असीम, शुद्ध, निराकार, गुणों से परे, विकार रहित और आनंदमय स्वरूप वाले भगवान शिव को प्रणाम करता हूँ। यह स्तुति ध्यान और आत्मिक शांति के लिए अत्यंत प्रभावशाली मानी जाती है।